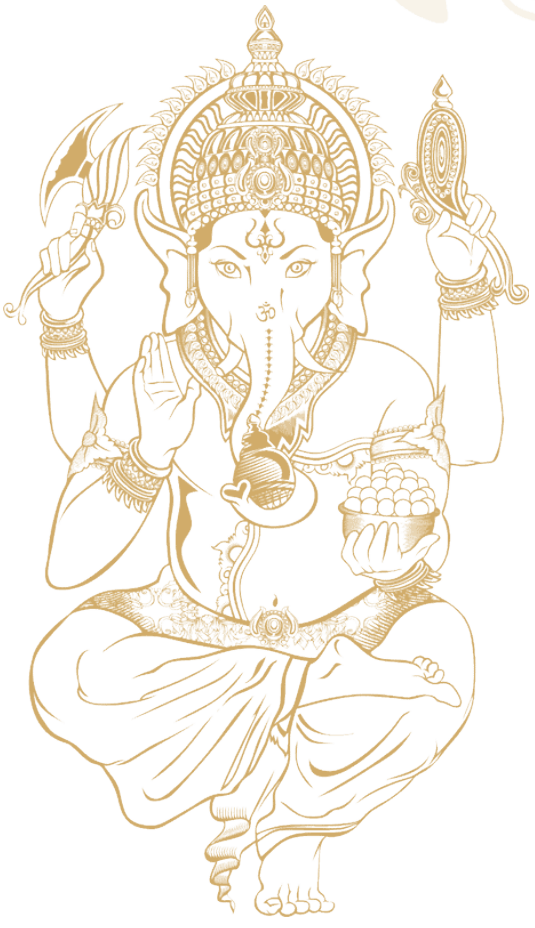

Mr.Abhishek

Ms.purva

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120113902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/02/2001	जन्म तिथि	16/10/2001
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	12:10:00 घंटे
घटी 12:49:34	जन्म समय(घटी)	14:01:34 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Jaipur
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
73:47:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:10	सूर्योदय	06:26:50
18:20:01	सूर्यास्त	17:57:23
23:52:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 17वर्ष 5मा 10दि	26:04:32	मेष	लग्न	धनु	13:34:38	चन्द्र 1वर्ष 1मा 28दि
चन्द्र	18:36:52	मक	सूर्य	कन्या	29:05:31	राहु
14/07/2024	15:02:09	मेष	चंद्र	कन्या	21:47:04	14/12/2009
14/07/2034	28:51:32	तुला	मंगल	धनु	28:26:02	15/12/2027
चन्द्र 14/05/2025	06:07:34	कुंभ	बुध व	कन्या	24:20:39	राहु 26/08/2012
मंगल 13/12/2025	07:24:07	वृष	गुरु	मिथु	21:19:19	गुरु 20/01/2015
राहु 14/06/2027	04:48:35	मीन	शुक्र	कन्या	07:06:10	शनि 26/11/2017
गुरु 13/10/2028	00:14:30	वृष	शनि व	वृष	20:45:24	बुध 14/06/2020
शनि 14/05/2030	21:17:41	मिथु	राहु व	मिथु	05:38:45	केतु 03/07/2021
बुध 14/10/2031	21:17:41	धनु	केतु व	धनु	05:38:45	शुक्र 02/07/2024
केतु 14/05/2032	26:28:24	मक	हर्ष व	मक	27:07:19	सूर्य 27/05/2025
शुक्र 13/01/2034	12:37:26	मक	नेप व	मक	12:06:58	चन्द्र 26/11/2026
सूर्य 14/07/2034	20:51:07	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:25:38	मंगल 15/12/2027

लग्न-चलित

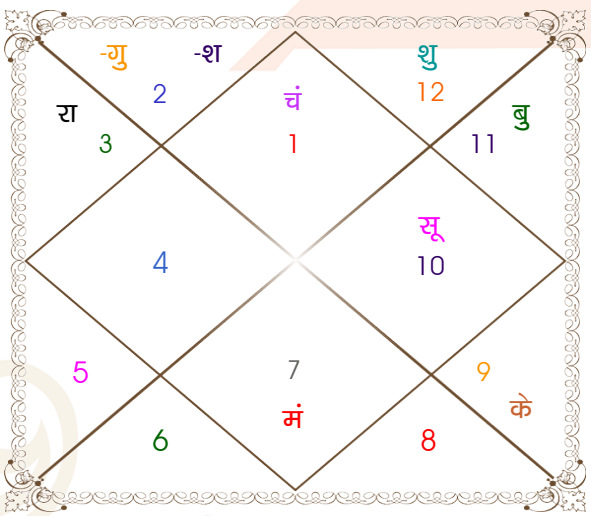

लग्न-चलित

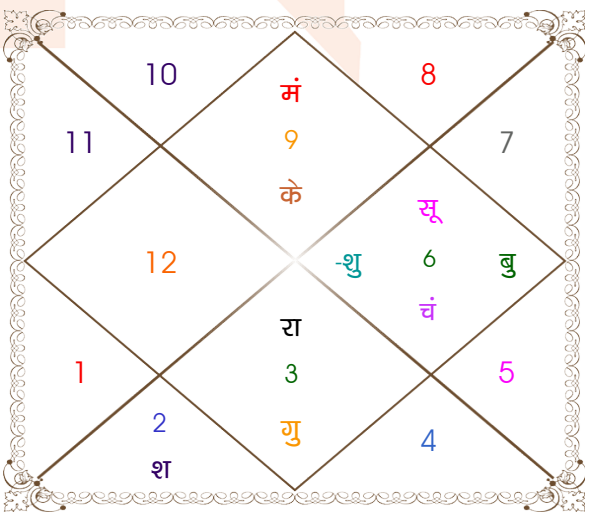

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण ।ईपींमा का वर्ग मृग है तथा Ms.purva का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।ईपींमा और Ms.purva का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।ईपींमा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms.purva मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.purva कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.purva कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण ।झीपीमा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।झीपीमा तथा Ms.purva में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।